

असाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II—सम्ब 3—सम्बन्ध (l) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

ਵੈਂo 57} ਵਿo. 57] नद्रै विस्ली, बृहस्पतिबार फरवरी 24, 1977/फारुगुम 5, 1898

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 24, 1977/PHALGUNA 5, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिसमें कि यह असंग संकलन के रूप में र छ। आ सबी ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

#### **CUSTOMS**

New Delhi, the 24th February 1977

G. S. R. 85(B).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 256-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after Serial No. 2 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

(I	) (2)	(3)	(4)
-	Stainless Steel Strips of a width exceeding 127 mm and of a thickness of 3.175 mm and above.	100% ad-valerem	971% ad-valerem"
			··

[No. 27'F. No. 355 65/77-Cus-I.] M. JAYARAMAN, Under Secv. राजस्य भीर शैक्षिम विभाग (राजस्य पक्ष) सन्धित्यना सीमाशस्य

## नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1977

सा का नि 85 (म). --- केन्द्रीय सरकार, सीमाणुरक मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की झारा 25 की उपझारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना भावश्यक है, भारत सरकार के राजस्व भीर वैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं • 256-सीमा गुरुक, तारी ख 2 भगस्त, 1976 में निम्नलिखित समोधन करती है, भर्यात् :---

उनत ग्रधिमूचना से उपावद सारणी में, कम सं० 2 भी र उसकी प्रविष्टमों के पश्चात् निम्न-सिवित भंतःस्थापित किया जाएगा, भर्यात् .---

(	1)	(2)	(3)	(4)
" 3. 127 मि० मी० से मधिक चोड़ाई मौर 3. 175 मि०मी० मीर इससे मधिक मोटाई की जंग रोधी इस्यात के पत्तर			मूल्यका 100 प्रतिश्वत	मूल्यका 97 है प्रतिभात।"

[सं• 27/फा॰ सं• 355/65/77-सी• सु॰ I]

एम॰ जनरामन, धवर सणिव ।